अनुरूप पाये जाते हैं तो आदर्श पाठशाला के रूप में मान्यता दे दी जाती है और उनके अनुमोदित व्यय से 95% तक की वित्तीय सहायता दी जाती है। बिहार में, जगदीश नारायण ब्रह्मचारी आश्रम संस्कृत महाविद्यालय, ग्रा० तथा पो० ग्रा०लगमा (जिला दरभंगा) को ऐसी मान्यता देने पर विचार किया जा रहा है।

(ग) और (घ). छः विद्यापीठों तथा आठ आदर्श पाठशालाओं के नाम तथा पते नीचे दिये गये हैं :—

विद्यापीठ :

1. श्री लालबहादुर शास्त्री केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, कटवारिया सराय, कुतुब होटल के पास, नई दिल्ली।

2. केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति (आन्ध्र प्रदेश)

3. श्री रणबीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, 256-ए, शास्त्री नगर जम्मू तवी (जम्मू तथा कश्मीर)

4. श्री सदाशिव केन्द्रीय विद्यापीठ, पुरी (उड़ीसा)

5. श्री गंगा नाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद (उ० प्र०)

6. केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, गुरुवायूर (केरल)।

आदर्श पाठशाला :

1. श्री एकरसानन्द संस्कृत महाविद्यालय, मैनपुरी (उ० प्र०)

2. भगवानदास संस्कृत महाविद्यालय हरिद्वार (उ० प्र०)

3. श्री रंगलक्ष्मी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, वृन्दावन, (उ० प्र०)

4. कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, बालुसेरी, कालीकट (केरल)

5. मद्रास संस्कृत कालेज तथा एस एस० बी० पाठशाला, मद्रास (तमिलनाडू)

6. मुम्बादेवी संस्कृत महाविद्यालय, बम्बई (महाराष्ट्र)

7. हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ, बघोला (हरियाणा)

8. मुगबेरिया संस्कृत महाविद्यालय, मुगबेरिया (पश्चिम बंगाल)

छात्रवृत्तियों के रूप में प्रोत्साहनों, अधिक मात्रा में सहायक-अनुदान आदि के परिणामस्वरूप ऐसी संस्थाओं में संस्कृत शिक्षा तथा सभी दृष्टिकोणों से अनुसंधान को देश के विभिन्न भागों में लोकप्रियता प्राप्त होती जा रही है।

Allotment of Wagon on Out of Turn Basis

3628. SHRI BAPUSAHIB PARULEKAR: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether wagons have been allotted out of turn to certain private contractors (for coal transportation);

(b) the details thereof; and

(c) the number of wagons allotted on 'out of turn' basis during the past four months (April to July 1981) with the particulars of the contractors ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS AND IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MALLIKARJUN): (a) to (c). Railways supply wagons for loading of coal against the demands sponsored by the State Governments and other Central sponsoring authorities only and not to private contractors directly.